Tips & Tricks of Spoken English

Presented By

Super Awakening
Feel Your Existence in the World

www.Superawakening.com

Table of Contents

Disclaimer 3

Distribution Right 4

Author Preface 5

Introduction 7

Learn To Learn 8

The Easiest Language 12

You Know 45% English 14

Recognize Your Enemies 16

The Way You Learnt Your Mother Tongue 18

Read and Learn Past Tense More 20

Read Story Books Not Newspaper 21

Disclaimer

Reasonable care has been taken to ensure that the information presented in this book is accurate. However, the reader should understand that the information provided does not constitute legal, medical or professional advice of any kind.

No Liability: this product is supplied “as is” and without warranties. All warranties, express or implied, are hereby disclaimed.

Use of this product constitutes acceptance of the “No Liability” policy. If you do not agree with this policy, you are not permitted to use or distribute this product.

www.superawakening.com, its employees, associates, distributors, agents and affiliates shall not be liable for any losses or damages whatsoever (including, without limitation, consequential loss or damage) directly or indirectly arising from the use of this product.

Distribution Rights

This eBook may be given away freely

It may NOT be sold

Brought to you by

Super Awakening
Feel Your Existence in the World

www.superawakening.com

All Rights Reserved. **http://www.superawakening.com**

AUTHOR PREFACE

DEAR READER

इंग्लिश आपके दिलों पर भले ही राज न करे पर ये आज के समय की जरूरत है । इसका सम्बन्ध सीधे आपके करियर से है इसलिये यदि आप

Deepak Kapoor

अपने करियर को लेकर जरा भी सजग हैं तो चाहे आपको इससे लगाव हो या नही, आपके लिये ये अनिवार्य हो जाता है कि आप इंग्लिश की ओर विशेष ध्यान दें ।

यूँ तो इंग्लिश बोलना सीखने के लिये बाजार में हजारों किताबें उपलब्ध हैं। अब तक करोड़ों किताबें बिक चुकी हैं । हो सकता है कि आपमें से कई लोगों के पास कुछ किताबें आपके Shelf में सजी भी हों ।

तकरीबन सभी किताबों का Pattern एक जैसा ही है कि हर एक परिस्थिति के लिये Sentences दिये होते हैं और आप उन Sentences को पढ़ते या याद करते हैं । नये-नये Sentences पढ़कर अच्छा तो जरूर

लगता है पर परिणाम बहुत अच्छा नही होता । बाद में आपको ये लगता है कि किताब तो अच्छी है पर यदि जैसे कहा गया है अगर ठीक उसी प्रकार Time देकर Properly पढ़ा जाये तो निश्चय ही फायदा होगा ।

परन्तु सोचने की बात है कि यदि किताब अच्छी है तो इंग्लिश बोलना आया क्यों नही?

आखिर क्या वजह है कि हिन्दी भाषी लोगों के लिये इंग्लिश बोलना इतना कठिन हो जाता है कि इतनी किताबें पढ़नें और लगातार स्कूल्स में भी इंग्लिश 10-12 साल तक पढ़ने के बावजूद 5 मिनट भी इंग्लिश में बात करना इतना कठिन हो जाता है?

इन्ही बातों का Analysis करके मुझे ये लगा कि आपको ये बताया जाये कि आप कहाँ कमी कर रहे हैं ! पिछ्लें दस सालों में हजारों लोगों से बात करके उनकी समस्याओं पर विचार करके जो बातें सामने आयी ये Book उसी पर आधारित है।

यहाँ हम आपको ये बताने जा रहे हैं कि यदि आप कोई 'स्पोकेने इंग्लिश इंस्टीच्यूट' Join करते हैं या किताब पढ़कर इंग्लिश बोलने की कोशिश करते हैं तो उसको सिर्फ दिशा-निर्देशन के तौर पर लीजिये । क्योंकि सिर्फ कोर्स करने मात्र से आपको बोलना नही आयेगा । जब तक आप स्वयं प्रयत्न नही करेगें, कोर्स करने से आपकी जानकारी में थोड़ी-बहुत बढ़ोतरी भले ही हो जाये पर आपका मकसद हल नही हो पायेगा ।

इसलिये तैयार हो जाइये पूरी तरह, आप जो भी किताब पढ़ रहे हैं या जिस भी इंस्टीच्यूट में सीख रहे हैं उससे भरपूर फायदा उठाने के लिये ।

दीपक कपूर

CHAPTER 1

INTRODUCTION

इंग्लिश बोलना सीखने के लिये यदि कोई बात सबसे Important है तो वो है आपका बोलना । बोलने से ही बोलना आयेगा इसलिये सर्वप्रथम हर प्रकार की झिझक या शर्म छोड़कर आपको बोलने की शुरुआत करनी होगी ।

जिस प्रकार साइकिल चलाना सीखने के लिये साइकिल चलानी पड़ती है या तैरना सीखने के लिये तैरना पड़ता है वैसे ही इंग्लिश बोलना सीखने के लिये इंग्लिश आपको आती हो या न आती हो पर बोलना पड़ेगा ।

यही एकमात्र तरीका है, इंग्लिश बोलना सीखने का ।

सर्वप्रथम शर्म और झिझक से मुक्त होना पड़ेगा और बोलने की हिम्मत करनी होगी और यदि आप ऐसा कर सके तो आपको ताज्जुब होगा कुछ ही दिनों में अपने अन्दर आश्चर्यजनक परिवर्तन देखकर ।

CHAPTER 2

LEARN TO LEARN

जो सबसे प्रमुख बात मैंने नोटिस की वो ये कि इंग्लिश बोलना सीखने के लिये लोग सीखने के तरीके से उल्टे चलते हैं अर्थात वो इसे एक Subject की तरह सीखते हैं। जबकि ये Knowledge Development Program नही बल्कि Skill Development Program है।

याद कीजिये आपने साइकिल या मोटर साइकिल चलाना कैसे सीखा था? क्या Classroom Training ली थी?

या सीधे चलाना शुरु कर दिया था?

Imagine कीजिये यदि 'स्वीमिंग' सिखाने की 6 महीने की Classroom Training चलायी जाये! यानि पानी के दर्शन ही न कराये जायें और बस 6 महीने तक पानी के प्रकार, समुद्र और नदी के पानी में अन्तर, नदियों में लहरों से बचाव करते हुये कैसे तैरें आदि के सम्बन्ध में पढ़ाया जाये, Notes बनवाये जायें, नदियों, तालाबों और स्वीमिंग पूल की Definition रटवाई जाये!

तो आपको क्या लगता है 6 महीने के Course के बाद लोगों को तैरना आ जायेगा!

न्ही! कदापि नही!

हाँ हो सकता है कि ये लगे कि पढ़ाया तो बहुत अच्छा गया, काफी चीजें बतायी गयीं!

और ये सोचकर आपको एक Satisfaction मिल सकता है पर मंजिल से आप कोसों दूर रहेगें।

यही वजह है कि लोगों का 'स्पोकेन इंग्लिश इंस्टीच्यूट्स' से विश्वास उठता जा रहा है कि वो वहाँ इंग्लिश बोलना सीख पायेगें।

परन्तु फिर भी लोग जाते हैं और Join करते हैं क्योंकि मन में एक द्वन्द चलता रहता है कि वहाँ सिखाया तो जाता है और कई लोगों को मैने खुद बोलते हुये भी सुना है। और फिर वो Grammar भी बतायेगें, Word Meaning भी बतायेगें और Debate एवं Group Discussion भी करवायेगें, और अगर इसके बाद भी बोलना नही आया तो हमारी ही गल्ती होगी, इंस्टीच्यूट इसमें क्या कर सकता है। क्योंकि इससे ज्यादा कोई क्या कर सकता है ।

तो सबसे पहले ये समझिये Skill कैसे Develop करी जाती है। ठीक वैसे ही जैसे आपने साइकिल या मोटर साइकिल चलाना सीखा, वैसे ही जैसे आपने गिटार बजाना सीखा या वैसे ही जैसे आपने स्वीमिंग सीखी।

मात्र कुछ जरुरी चीजों के बारे में जाना और उसके बाद तैरना नही आता था पर पानी में घुसे और तैरने की कोशिश करनें लगे । साइकिल चलाना नही आता था पर चलाना सीखने के लिये साइकिल चलाने लगे । गिटार बजाना नही आता था पर बजाना सीखने के लिये गिटार बजाने लगे ।

अर्थात इंग्लिश बोलना नही आता पर बोलना सीखने के लिये बोलना पड़ेगा, हो सकता है सुनने में बात अजीब लगे कि बोलना नही आता और बोलना सीखना है तो आपको बोलना पड़ेगा अरे! जब आता ही नही तो बोलेगें कैसे तो इसका जवाब यही है कि साइकिल चलाना भी तो नही आता था पर चलाना सीखने के लिये आपने साइकिल चलानी शुरु कर दी।

यही है सीखने का मूल मंत्र ।

तैरना सीख लीजियेगा तो आप तैरियेगा या फिर तैरियेगा तो आप तैरना सीखियेगा!

गिटार बजाना सीख लीजियेगा तो आप गिटार बजाइयेगा या फिर गिटार बजाइयेगा तो आप बजाना सीखियेगा!

– दीपक कपूर

CHAPTER 3

THE EASIEST LANGUAGE

At first, I should congratulate you that you are learning the easiest language.

जब तक आप सिर्फ इंग्लिश पर ध्यान देगें आपको ये पता ही नही चलेगा कि ये कितनी सरल है! सरल और कठिन का पता तब चलता है जब हम किसी से तुलना करते हैं। यदि हम इंग्लिश की तुलना हिन्दी से करें तो पता चलता है कि इंग्लिश कितनी सरल है।

जिनकी Monther Tongue इंग्लिश नही है ऐसे तमाम् लोगों को आपने अच्छी इंग्लिश बोलते सुना होगा परन्तु ऐसे बहुत कम लोगों को आप पायेगें जिनकी Mother Tongue हिन्दी नही है और बहुत अच्छी हिन्दी बोल रहे हों। हिन्दी आसान नही है, उनसे पूछिये जो हिन्दी सीख रहे हैं तो आपको पता चलेगा कि वो हर समय Confuse हैं कि

पानी **बह रहा** है पर नदी **बह रही** है,

पानी पुल्लिंग और नदी स्त्रीलिंग कैसे हो गयी।

लड़का **आया है** या लड़के **आये हैं**, परन्तु श्रीवास्तव अंकल **आयें हैं**

श्रीवास्तव अंकल भी तो एक ही हैं तो वो बहुवचन कैसे हो गये?

परन्तु आपको हिन्दी बोलने में कोई दिक्कत नही होती आप बड़े आराम से बोल लेते हैं, इसलिये आपको मुबारक हो कि आपको कठिन चीज आती है और आप सरल चीज सीख रहे हैं।

एकदम निश्चिंत होकर बोलना शुरु कीजिये क्योंकि एक तो ये सरल है और दूसरे आपको गल्तियों से घबराने की भी कोई जरुरत नही है । कोई भी इंग्लिश बोलने वाला पूरी तरह से Grammar को Follow नही करता बल्कि यूँ कहिये की लोगों की सिर्फ बोलने की आदत पड़ जाती है इसलिये Fluently बोल लेते हैं पर यदि आप ध्यान दें तो आपको हर किसी के बोलने में कुछ न कुछ Grammatical Mistake जरुर मिलेगी । परन्तु इसमें कोई परेशानी की बात इसलिये नही है क्योंकि यदि बोलने वाले को Grammar की पूर्ण जानकारी नही है तो सुनने वाले को भी तो नही है । इसलिये निश्चिंत रहिये और आगे बढ़िये ।

CHAPTER 4

YOU KNOW 45% ENGLISH

तकरीबन 45% इंग्लिश Basic 100 Words से बनती है, यदि आप इन 100 Words से परिचित हैं तो खुश होइये कि 45% इंग्लिश तो आपको आती है बस थोड़ी बहुत और सीखनी है। यदि आपने इनका लिखने के साथ-साथ बोलने में Use भी सीख लिया तो बस मंजिल अब थोड़े से ही फासले पर है।

The 100 Basic Words that make up 45 percent of all Conversation

1. A, an	11. Big	21. To go (I go)	31. I am
2. After	12. But	22. Good	32. If
3. Again	13. Can (I can)	23. Goodbye	33. In
4. All	14. Come (I come)	24. Happy	34. Of
5. Almost	15. Either/or	25. Have (I have)	35. Last
6. Also	16. Find (I find)	26. He	36. Like (I like)
7. Always	17. First	27. Hello	37. Little
8. And	18. For	28. Here	38. Love (I love)
9. Because	19. Friend	29. How	39. Make (I make)
10. Before	20. From	30. I	40. Many

The 100 Basic Words that make up 45 percent of all Conversation

41. Me	56. Other	71. Tell (I tell)	86. Up
42. More	57. Our	72. Thank you	87. Us
43. Most	58. Out	73. That	88. Use (I use)
44. Much	59. Over	74. The	89. Very
45. My	60. People	75. Think (I think)	90. We
46. New	61. Place	76. Them	91. What
47. No	62. Please	77. Then	92. When
48. Not	63. Same	78. Your	93. Where
49. Now	64. See (I see)	79. They	94. Which
50. Know (I know)	65. She	80. Thing	95. Who
51. Often	66. So	81. Their	96. Why
52. On	67. Some	82. This	97. With
53. One	68. Sometimes	83. Time	98. Yes
54. Only	69. Still	84. To	99. You
55. Or	70. Such	85. Under	100. There is, there are

CHAPTER 5

RECOGNIZE YOUR ENEMIES

यदि आपने Class 12 तक इंग्लिश पढ़ी है तो कम से कम 12 साल से तो आप इंग्लिश पढ़ ही रहे हैं फिर इतने सालों तक पढ़ने के बाद भी इंग्लिश बोलने में इतनी दिक्कत क्यों?

सीधी बात है, कुछ है जो अड़चन डाल रहा है, कोई है जो रोक रहा है और वही आपका दुश्मन है।

और वो दुश्मन हैं –

Inferiority Complex

Hesitation &

Shyness

यानि हर समय दिमाग मे ये बना रहना कि ‘‘कहीं गलत न हो जाये‘‘, ‘‘कहीं मजाक न बन जाये‘‘ वगैरह वगैरह। दुनिया में 90% लोगों की असफलता का कारण यही है न कि जानकारी का अभाव।

तो इंग्लिश की जानकारी हासिल करने के साथ ही उतना ही जरुरी काम इन्हे दूर करना भी है, क्योंकि आपको कितनी ही जानकारी क्यों न हो यदि आपके अन्दर Inferiority Complex, Shyness or Hesitation तो अपनी अच्छी जानकारी के बावजूद भी आप इंग्लिश नही बोल सकेगें ।

परन्तु इन्हे दूर करने का मतलब ये नही कि आप इनसे लड़ना शुरु कर दें क्योंकि ये एक Negative Approach होगा । इसके बजाय आप अपना सारा ध्यान, अपने अन्दर Confidence Development तथा Boldness and Smartness लाने पर लगाइये । ये Enemies अपने आप समाप्त हो जायेगें ।

Want to Improve Your English

Register Your Name, Email and Mobile Number on

www.superawakening.com

and get some useful lessons

Absolutely Free

CHAPTER 6

THE WAY YOU LEARNT YOUR MOTHER TONGUE

आपने हिन्दी बोलना कैसे सीखा! क्या पहले Grammar पढ़ा, Word Meaning याद की और फिर बोलना सीखा?

या पहले बोलना सीखा, फिर Grammar और Word Meaning! तो यही तरीका इंग्लिश बोलने में भी इस्तेमाल कीजिये। पहले बोलना सीखिये और जब थोड़ा बहुत बोलना आने लगे तब साथ में Grammar की पढ़ाई शुरु कीजिये।

हो सकता है कि ये लगे कि बगैर Grammar पढ़े अगर मैं बोलूँगा तो बहुत गल्तियाँ होगीं! बिल्कुल होगीं! पर गल्तियों के डर से कदम न उठाना उससे भी बड़ी गल्ती होगी।

गल्तियाँ करने से मत घबराओ, क्योंकि
दुनिया में एक भी जीवित व्यक्ति ऐसा नही जो गल्तियाँ न करता हो!
- दीपक कपूर

किसी भी चीज के सीखने की शुरुआत गल्तियों से ही होती है। इन गल्तियों से गुजरते हुये Perfectness हासिल करने के लिये ही मशक्कत करनी पड़ती है। इसिलिये ओलिम्पिक में मात्र 100 सैकिन्ड्स की Perfect Performance के लिये Athletes करोड़ों सैकिन्ड्स Practice में पसीना बहाते हैं।

तो तैयार हो जाइये एक Athlete की तरह अपने करियर को सवाँरने के लिये।

CHAPTER 7

READ & LEARN PAST TENSE

अपनी रोजमर्रा की बातों पर ध्यान दीजिये तो आपको पता चलेगा कि हम बातचीत में ज्यादातर Past Tense का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि हमारे पास बताने के लिये Past में तो असीमित बातें होती हैं पर Present या Future में उतना कुछ नही होता। तो यदि हमारे 70 to 80% Sentences, Past के होते हैं तो हमें 70 to 80% Time, Past Tense की Practice में देना चाहिये।

Past Tense में भी ज्यादा ध्यान Past Indefinite Tense की Practice में दीजिये। क्योंकि Past का सबसे Important, Tense है।

बारहों Tenses को बराबरी से समय देने के बजाय Past Indefinite Tense and Present Indefinite Tense की खूब Practice कीजिये । क्योंकि सबसे ज्यादा इस्तेमाल भी इन्ही Tenses का होता है और सबसे ज्यादा गलतियाँ भी इन्ही Tenses में होती हैं।

CHAPTER 8

READ STORY BOOK AND NOT NEWSPAPER

जब आप बोलने की शुरुआत कर रहे हों तो Newspaper पढ़ने की बजाय English Story Books पढ़िये ।

यूँ तो लोग सलाह देते हैं कि इंग्लिश सीखना है तो English Newspaper पढ़ो । परन्तु मेरे अनुसार English Newspaper इंग्लिश Improve करने के लिये होता है न कि इंग्लिश बोलना सीखने की शुरुआत करने के लिये । अर्थात एक बार आप बोलने लग जायें और आप को ये लगे कि अब मैं अपनी इंग्लिश और Improve करना चाहता हूँ तो फिर शुरु करिये English Newspaper पढ़ना परन्तु शुरुआत English Story Books से कीजिये ।

Super Awakening
Feel Your Existence in the World

www.superawakening.com

Tips & Tricks of Spoken English

Buy VCD (In Hindi)

Only Rs. 100.00
(Including Courier Charges)

Watch the Promo video of 'Tips & Tricks of Spoken English' on

http://www.youtube.com/watch?v=nJujg9g63Y0&feature=plcp

Visit for buying

Super Awakening
Feel Your Existence in the World

www.superawakening.com

251 Unique English Words

Free Download

Visit to Download

Super Awakening
Feel Your Existence in the World

www.superawakening.com

Superawakening.com

Contact us
For Career and Personal Counseling

Our Website
www.superawakening.com

Emails
superawakening@gmail.com
celestial2011@gmail.com